Prof. Pankaj Kr. Gupta
Assistant Professor (Economics)
R.B.G.R. College, Mahaarajganj

TDC-I Economics (Hons.)
Paper-I Micro Economics
Module IV - Market Structure & Pricing.

Topic - Price Determination in Collusive Oligopoly-Profit sharing Cartel Model

PART-I

समझौता अल्पाधिकार में कीमत निर्धारण

1) पूर्ण कार्टेल एवं लाभ अधिकतमीकरण

एक ही उद्योग की स्वतंत्र फर्मों के संगठन को कार्टेल कहा जाता है। कार्टेल के संगठन का उद्देश्य उद्योग की फर्मों के मध्य प्रतियोगी प्रवृत्तियों पर रोक लगाकर फर्मों द्वारा अर्जित लाभ को अधिक करना होता है।

दो प्रकार के कार्टेल संगठन उपस्थित होते है -

(A) 'लाभ-विभाजन' कार्टेल मॉडल (Profit sharing Cartel Model)
(B) 'बाजार-विभाजन' कार्टेल मॉडल (Market-Division Cartel Model)

(A) 'लाभ-विभाजन' कार्टेल मॉडल

यह मॉडल कार्टेल की फर्मों के मध्य पूर्ण गठबंधन को स्वीकार करता है। पूर्ण गठबंधन के अंतर्गत सभी फर्में कार्टेल को वस्तु उत्पादन मात्रा एवं कीमत निर्धारण का पूर्ण अधिकार दे देती है। कार्टेल फर्मों का उत्पादन कोटा इस प्रकार निर्धारित करता है कि फर्मों का लाभ अधिकतम हो जाए। कार्टेल अनेक प्लाण्ट वाले एकाधिकारी की ही भाँति होता है। माँग वक्र एवं सीमान्त आगम वक्र दिए हुए होते है। कार्टेल की फर्मों के अल्पकालीन सीमान्त लागत वक्रों में उद्योग का सीमान्त लागत वक्र प्राप्त किया जाता है। लाभ को अधिकतम करने के लिए कार्टेल की सदस्य फर्मों के मध्य उत्पादन कोटा इस प्रकार बाँटा जाता है कि प्रत्येक फर्म के कोटे की सीमान्त लागत दूसरी फर्मों के कोटे की सीमान्त लागत के बराबर हो जाए। अधिकतम लाभ देने वाला कीमत-उत्पादन सम्बन्ध तब उपस्थित होगा जब व्यक्तिगत फर्मों को बाँटा जाए।

Scanned with CamScanner

जहाँ, $\boxed{SMC_A = SMC_B = MR_1}$

SMC_A = Short-run Marginal Cost of firm-A.

SMC_B = Short-run Marginal Cost of firm B.

MR_1 = Marginal Revenue of Industry.

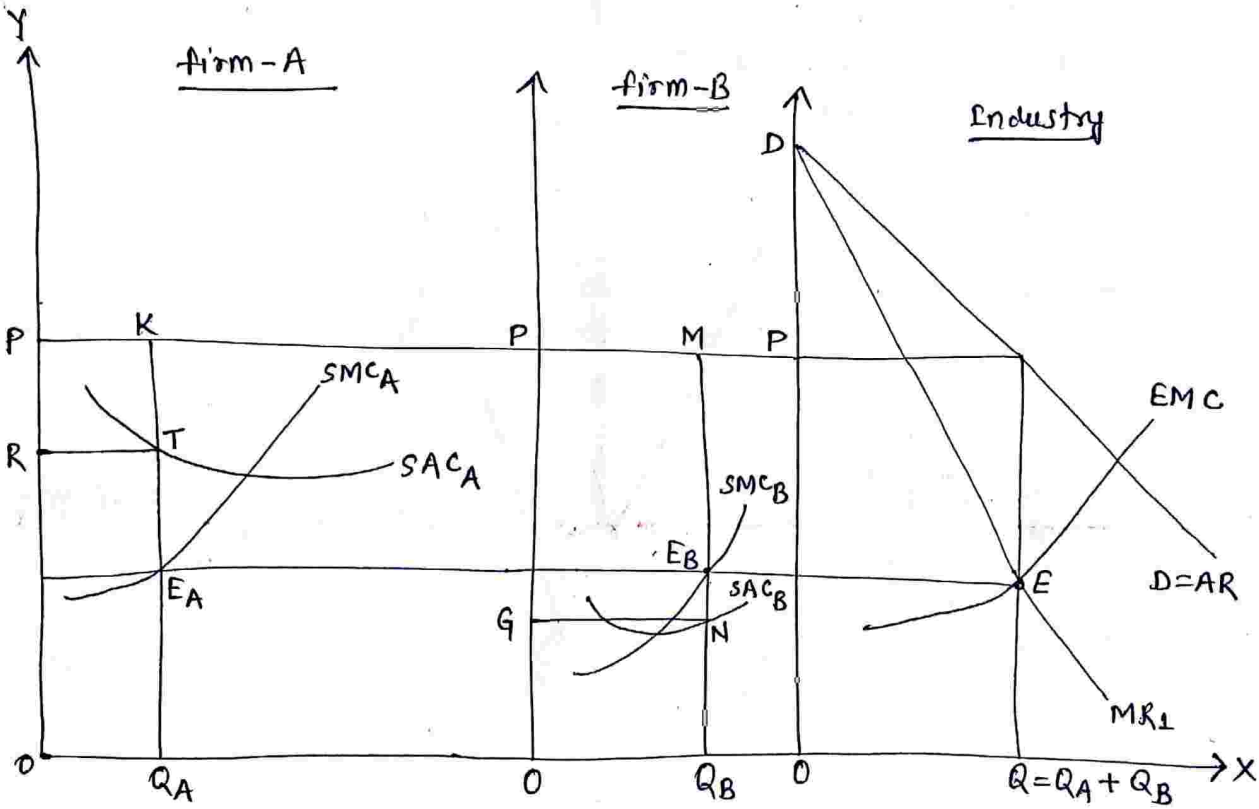

Figure- पूर्ण गठबन्धन कार्टेल

उपर्युक्त चित्र में पूर्ण गठबंधन कार्टेल को दिखाया गया है। उद्योग का उत्पादन $OQ (= OQ_A + OQ_B)$ पर स्थिर है। MR रेखा उद्योग की सीमान्त आगम वक्र रेखा को बताती है। उद्योग का सीमान्त वक्र (EMC वक्र) फर्म A तथा फर्म B के सीमान्त लागतों – क्रमशः SMC_A तथा SMC_B – के क्षैतिज योग द्वारा प्राप्त किया जाता है। उद्योग में EMC तथा MR वक्रों की सहायता से OQ उत्पादन स्तर तथा OP कीमत का निर्धारण होता है।

Scanned with CamScanner

इस OQ उत्पादन को दोनों फर्मों के मध्य बाँटने के लिए एक क्षैतिज रेखा इस प्रकार खींची जाती है जिस पर दोनों फर्मों की सीमान्त लागतें - SMC_A तथा SMC_B - परस्पर बराबर हो जाए। चित्र में यह स्थिति $E_A Q_A$ तथा $E_B Q_B$ द्वारा दिखायी गई है। इस प्रकार फर्म A तथा फर्म B को क्रमश: OQ_A तथा OQ_B कोटा निर्धारित किया जाता है। इस दशा में संतुलन की शर्त पूरी हो रही है। अर्थात्

$$\boxed{SMC_A = SMC_B = \Sigma MC = MR_1}$$

फर्म A के लिए,

निर्धारित कोटा = OQ_A

निर्धारित कीमत = OP अथवा KQ_A

प्रति इकाई लागत = TQ_A

प्रति इकाई लाभ = KT

कुल लाभ = RTKP

फर्म B के लिए,

निर्धारित कोटा = OQ_B

निर्धारित कीमत = OP अथवा MQ_B

प्रति इकाई लाभ = MN

प्रति इकाई लागत = NQ_B

कुल लाभ = GNMP

(B) 'बाजार विभाजन' कार्टेल मॉडल

कृपया PART-II का नोट्स देखें। क्रमश:

Pabf

Scanned with CamScanner